OM - 4 - 2020 DELHI FINAL_Page 1 and 2 16/05/2020 4:52 PM Page 1

ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -22 अंक -4 मई -II-2020 (पाक्षिक) माउण्ट आबू Rs. 8.50

मोहाली में दिव्य, अलौकिक व भव्य समारोह का आयोजन

- मानवीय मूल्यों की रक्षा हेतु 5 ब्रह्माकुमारियों ने किया प्रभु समर्पण राजयोगिनी दादी डॉ. रतन मोहिनी ने दिये वरदान
- हरियाणा विधान सभा के स्पीकर व पंजाब के उद्योग मंत्री ने दी शुभ कामनाएं

कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी तथा साथ मंचासीन हैं ब्र.कु. अमीरचंद, सुन्दर श्याम अरोड़ा,पंजाब उद्योग मंत्री, स्पीकर ज्ञान चंद गुप्ता।

- पांच कन्याओं ने किया ईश्वरीय सेवा में अपना आजीवन समर्पण
- समारोह में विधानसभा के स्पीकर सहित शहर के संस्थान के गणमान्य प्रतिनिधि व नागरिक उपस्थित रहे
- समारोह के दौरान रंगारंग संस्कृति कार्यक्रम का अलौकिक व दिव्य आयोजन
- इस अलौकिक समर्पण ने सबके दिलों को छू लिया

मोहाली। ब्रह्माकुमारीज़ सुख शान्ति भवन फेज़ 7 में एक भव्य, दिव्य व अलौकिक समारोह में 5 कन्याओं ने अपना जीवन प्रभु-समर्पण किया। इस अवसर पर माउण्ट आबू से ब्रह्माकुमारी संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी डॉ. रतनमोहिनी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। सभी समर्पित हुई कन्याओं के माता-पिता व सम्बन्धी समारोह में उपस्थित रहे। सभी के अभिभावकों ने इन त्यागी, तपस्विनी, राजयोगिनी बहनों को समाज सेवा में अपना तन, मन, धन व कर्म पूर्णतः लगाने की सहर्ष सहमति दी। इस अवसर पर राजयोगिनी दादी डॉ. रतन मोहिनी ने अपने आशीर्वचनों में इन कन्याओं को देवी स्वरूपा, श्रेष्ठ चरित्रवान, साहसी व उत्साही बताया और उन्हें निःस्वार्थ सेवा द्वारा सर्व की दुआएं प्राप्त करने का वरदान दिया। कन्याओं ने अपना वर परमात्मा शिव को मानते हुए शिवलिंग पर पुष्प माला अर्पित की। ब्रह्माकुमारीज़ के पंजाब, हरियाणा, हिमाचल, जम्मू व कश्मीर, उत्तराखण्ड तथा चंडीगढ़ के निर्देशक राजयोगी ब्र.कु. अमीर चंद ने कहा कि आज मान्यताओं और विश्वास तथा वाणी और कर्मों में अंतर आ गया है। आध्यात्मिकता सबके जीवन में समानता लाना सिखाती है। उन्होंने आगे कहा कि बाहर की गंदगी को दूर करने के साथ-साथ अपने अंदर की गंदगी अर्थात् बुराईयों को खत्म करो। ब्रह्माकुमारीज़ कोई धर्म नहीं है बल्कि अपनी पुरातन आदि सनातन देवी देवता धर्म की संस्कृति है। और उससे पोषित करने के लिए आध्यात्मिकता ही एकमात्र सक्षम हथियार बताया। हरियाणा विधान सभा के स्पीकर ज्ञान चंद गुप्ता व पंजाब के उद्योग मंत्री सुन्दर श्याम अरोड़ा ने भी अपनी मंगल कामनाएं दी। नगर के अनेक गणमान्य व्यक्तियों व संस्थाओं ने इस अवसर पर राजयोगिनी दादी डॉ. रतन मोहिनी को गुलदस्ते, शॉल अभिनन्दन पत्र व मोमेन्टो आदि भेंट कर सम्मानित किया। जिनमें ज्ञान चंद गुप्ता, सुन्दर श्याम अरोड़ा,उद्योग मंत्री पंजाब, अमरजीत सिंह संदोआ,विधायक रोपड़, पूर्व मंत्री जगमोहन सिंह कंग, बीबी परमजीत कौर लंद्रान, मोहाली इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रधान योगेश सागर, गैरी आर्ट मोहाली की प्रम्बन्ध निर्देशिका गगनदीप कौर गैरी, रोटरी क्लब के प्रधान के.के. सेठ, रोपड़ के.ए. रिजाट के मालिक कमलशील, पंजाब सत्कर्ता ब्यूरो के डिप्टी कलेक्टर ए.के.सैनी आदि शामिल थे।

क्षेत्रीय निर्देशिका राजयोगिनी ब्र.कु. प्रेमलता ने सभी का स्वागत किया।

»32 महिलाओं को किया सम्मानित

कोटा-राजस्थान। ब्रह्माकुमारीज़ के द्वारा शक्तिसरोवर के प्रांगन में महिला दिवस का कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। जिसके तहत 32 महिलाओं, जिसमें समाज सेवी से लेकर अन्य धर्मों एवं वर्गों की महिलाओं का सम्मान किया गया। इन महिलाओं के सम्मान में ब्र.कु. ज्योति ने नारी की वस्तुतः स्थिति का वर्णन करते हुए उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। आशा महेश्वरी,आल इंडिया महेश्वरी समाज की अध्यक्षा ने कहा कि सशक्त महिला सुसभ्य समाज का निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। और ये अध्यात्म को अपने जीवन में उतारने से ही सम्भव हो सकता है। तर्नुन नाज मुस्लिम समाज,आल इंडिया रेडियो और ओनर ऑफ सुपर मार्केट ने बताया कि महिला हर वक्त, हर पल बहुत महत्वपूर्ण होती है, महिला ही पूरे समाज को पूरे परिवार को आबाद करती है। आज तक बेटियों ने जो दर्द माँ-बाप का, परिवार का समझा है विश्व में आज तक किसी ने भी नहीं समझा।

सुशीला जोशी ने कहा कि साहस और शौर्य से भरी है नारी, आकाश विराटता को समेटे हुए है नारी, नारी सौम्या है, माधुर्य है, शील बनती है, कलावती है नारी। क्षेत्रीय निर्देशिका ब्र.कु. उर्मिला ने कहा कि हर एक महिला संघर्ष करके ही आज यहाँ तक पहुँची है, क्योंकि भारत देश जिसे माँ की उपमा दी गयी है उसे भारत माता कहकर पुकारा जाता है। वो कोई एक की बात नहीं है, हम सभी नारियां ही वो माँ हैं जो पूरे विश्व का कल्याण कर भारत माँ कहलाती हैं।

कार्यक्रम में शहर के अन्य विभिन्न संस्थान की प्रतिष्ठित महिलायें भी शामिल रहीं।

पुलिस एवं मेडिकल विभाग को किया सम्मानित

सादुलपुर-राज.। लॉकडाउन के दौरान पुलिसकर्मी एवं डॉक्टर्स के मनोबल को बढ़ाने व सम्मान हेतु ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र की ओर से ब्र.कु. शोभा ने थाना अधिकारी विष्णुदत्त विश्नोई व स्टाफ और रोहिला नर्सिंग होम, जैन अस्पताल, सोनी नर्सिंग होम, राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, राजकीय आयुर्वेदिक धनवंतरी औषधालय में 250 कोरोना योद्धाओं को ईश्वरीय सौगात, प्रसाद, ईश्वरीय साहित्य, मास्क व टॉवल आदि वितरित किए।

जिस देश में महिला सम्मानित-वही देश सुरक्षित

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं के लिए विशेष कार्यक्रम

नवसारी-गुज.। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सेवाकेंद्र द्वारा 'महिला सशक्तिकरण द्वारा सामाजिक परिवर्तन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ब्र.कु. भानु ने सभी का स्वागत किया और ब्रह्माकुमारीज़ विद्यालय का संक्षिप्त परिचय कराते हुए कहा कि निराकार परमपिता परमात्मा शिव ने प्रजापिता ब्रह्मा के साकार माध्यम द्वारा सन् 1937 में संस्था की स्थापना की। एक समय था जब नर-नारी दोनों का समाज में समान दर्जा था, जिसे सतयुग कहा जाता था। अभी परमात्मा आकर आत्मिक ज्ञान देकर, राजयोग द्वारा आत्मा में निहित दैवी गुणों को जागृत कराते हैं तथा नई सतयुगी स्वर्गिक दुनिया की स्थापना कराते हैं। संस्था के अनेक प्रभागों की जानकारी देते हुए उन्होंने महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए सेवारत महिला प्रभाग की सेवाओं से भी अवगत कराया। राजयोगिनी ब्र.कु. गीता दीदी ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की महानता उस राष्ट्र के लोगों के चरित्र पर आधारित है। चरित्रवान समाज निर्माण करने में नारी का बहुमूल्य योगदान है। जिस देश में नारी का सम्मान है, वही देश सुरक्षित है। कार्यक्रम के मध्य में गीता दीदी ने राजयोग मेडिटेशन के विषय को स्पष्ट कर प्रैक्टिकल मेडिटेशन कराकर गहन शांति की अनुभूति कराई। माधवी कर्वे,सोशल वर्कर ने कहा कि महिलाओं को घर चलाने की निपुणता हासिल है। ये परिवार को एकसूत्र में बांधे रखने की कला को बखूबी निभाती है। ऋषिदा ठाकोर,तपस्या नारी सेवा संस्थान की प्रमुख ने कहा कि जैसे खाना-पीना ज़रूरी है वैसे ही ईश्वरीय ज्ञान भी जीवन में ज़रूरी है। ईश्वर हमें जो संकेत देते हैं उस पर हमें चलना चाहिए। अपना समय अच्छे कार्य में लगाना चाहिए। जसवंती पटेल,प्रगति महिला मंडल की प्रमुख ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में आशा शाह सोशल वर्कर, प्रिन्सीपल तथा अन्य सोशल वर्कर जैसे- मीना भास्कर पटेल, लक्ष्मी पटेल, नर्मदा पटेल, अरुणा पटेल, एमी पटेल सहित शहर की प्रतिष्ठित महिलायें उपस्थित रहीं।